अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2012) दिनांक 24.12.2012

द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक – 100

तेरापंथ इतिहास और दर्शन – 70

प्र.1 किन्हीं बारह प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्य में दें। 12

(क) तेरापंथ धर्मसंघ अपनी अस्मिता को कब तक कायम रख सकेगा, आचार्य भिक्षु ने इस प्रश्न का क्या उत्तर दिया?

(ख) संक्षेप में निवृत्ति का सिद्धान्त क्या है?

(ग) संघबद्ध साधना का सूत्रपात किसने किया?

(घ) आचार्य भिक्षु ने अन्तिम लिखत कब लिखा?

(ङ) 'चएज्ज देहं न हु धम्मसासणं' का क्या अर्थ है?

(च) तेरापंथ की स्थापना के कितने वर्षों बाद साधुओं की संख्या तेरह हुई।

(छ) भगवान महावीर के किन दो शिष्यों को गोशालक ने तेजोलब्धी के प्रयोग से जला दिया था?

(ज) विरोधी वातावरण में समाज का मनोबल मजबूत रहे, इस दृष्टि से आचार्य श्री तुलसी ने कौन सा घोष दिया?

(झ) आगम पुरुष कौन कहलाते हैं?

(ञ) 'तेरापंथ में 'माइक' का प्रयोग कब और कहाँ मान्य हुआ?

(ट) तीर्थंकर के समवसरण में कितने कोट होते हैं?

(ठ) आचार्य श्री भिक्षु के मर्यादा निर्माण के कितने उद्देश्य थे?

(ड) गुरूभाई या शिष्यों में क्या अंतर है?

(ढ) दलबन्दी के लिये हमारा प्रसिद्ध सूत्र क्या है?

(ण) जिनवाणी के आधार का अर्थ क्या है?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए? 10

(क) अपरिवर्तन और परिवर्तन एक साथ होते हैं। कैसे?

(ख) भगवान महावीर ने पुरूषों के कितने प्रकार बताये हैं?

(ग) 'संघ पुरुष की कल्पना में नौ अंगों का अधिग्रहण हुआ है।' ये नौ अंग कौन से हैं तथा किसका प्रतिनिधित्व करते हैं?

(घ) संगठन की स्वस्थता के लिये आचार्य भिक्षु ने क्या व्यवस्था दी, जो आज भी अन्यत्र उपादेय है?

(ङ) पुण्य के संबंध में चिन्तनीय तथ्य कौन से हैं, विवेचन करें।

(च) संघबद्ध साधना की पहली शर्त क्या है?

प्र.3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दें। 18

(क) आचार्य भिक्षु के सामने ऐसी कौन सी परिस्थिति थी जिसके कारण उन्हें संविधान बनाने की अपेक्षा का अनुभव हुआ?

(ख) आचार्य तुलसी द्वारा युगीन आवश्यकता के आधार पर किये गये विशेष प्रयास व अनुदानों का संक्षिप्त वर्णन करें।

(ग) संविभाग से संबंधित तेरापंथ की प्रसिद्ध घटना लिखें।

(घ) क्या सबकी तपस्या भगवान की आज्ञा में है।

प्र.4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दीजिए। 30

(क) जीत व्यवहार के आधार पर किये गये किन्ही छः परिवर्तनों के बारे में जीत व्यवहार को समझाते हुए लिखें।

(ख) वैचारिक संघर्ष को मिटाने की आचार संहिता क्या है? उसके निष्कर्ष कौन–कौन से हैं?

(ग) साधु जीवन निर्वाह में आवश्यक धर्मोपकरणों का उल्लेख करते हुए उनके निर्माण एवं उपयोग को स्पष्ट करें।

भिक्षु वाणी – 30

प्र.5 किन्हीं तीन पद्यों का सप्रसंग भावार्थ करें। 15

(क) बुद्धि तिणांरी.....पडिया बांधे कर्म।।

(ख) जीभ रा औषध.....खोय चाल्यो।।

(ग) चोर मिले उजाड.....कपट में कपट।।

(घ) समझाया विनीत.....अंतर जोय।।

(ङ) जो साची ने.....अवसर जोय।।

प्र.6 किन्हीं दो विषयों पर पद्य लिखें। 6

(क) साधु (ख) सहिष्णुता

(ग) शूरवीर (घ) वाणीविवेक

प्र.7 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) समुदर न दीठों.....सूं मांडी झोर।।

(ख) सगलानर.....जाय संसार।।

(ग) प्रतिबिम्ब ने जे कोई.....पूर अज्ञान।।

(घ) जिण मारग री.....पथीयां घी आवे।।

(ङ) अथिर वेग नही.....जुवारी री माया।।